वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश के थंगकर्मा क्षेत्र में शीत मरुस्थल में हरियाली का प्रयास

श्री आनंद ध्वज नेगी द्वारा वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से जिला किन्नौर, हिमाचल प्रदेश के थंगकर्मा क्षेत्र में शीत मरुस्थल को हरा-भरा करने की दिशा में किए गए प्रयासों एवं सफलता को ध्यान में रखते हुए हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा उनके अनुभवों से लाभ प्राप्त करने के लिए तथा उनके द्वारा किए गए कार्यों के बारे जानकारी प्राप्त करने किए लिए उन्हें संस्थान में अनुभव साँझा करने हेतु आमंत्रित किया गया। संस्थान के अनुरोध पर उन्होंने दिनांक 13.03.2018 को संस्थान के सभागार में जिला किन्नौर के थंगकर्मा क्षेत्र में शीत-मरुस्थल में हरियाली लाने की सफलता की कहानी को संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा शोधार्थियों के साथ साँझा किया।

श्री नेगी ने बताया कि वह हिमाचल प्रदेश सरकार में सेवा के दौरान उन्हें केंद्र सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही परियोजना, **"मरुस्थलीय विकास कार्यक्रम"** में कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने पाया कि इस परियोजना के अंतर्गत धन व्यय करने के बाद भी वांछित परिणाम नहीं मिल पा रहे थे, जिससे वह दुखी हुए। अत: उन्होंने अपने विभाग से शुरू में 500 दिनों का अवकाश लिया तथा इस दौरान जिला किन्नौर के थंगकर्मा क्षेत्र में मरुस्थल को वानिकी हस्तक्षेप से कम करने की दिशा में कार्य प्रारंभ किया।

उन्होंने बताया कि प्रारंभ में उन्हें इस कार्य में बहुत कठिनाइयां भी आई लेकिन उन्होंने अपने प्रयास जारी रखे और धीरे-धीरे स्थानीय लोगों को भी अपने साथ इस कार्य में जोड़ते गए I उन्होंने बताया कि शुरूआती दौर में उन्होंने जल सरंक्षण के क्षेत्र में कार्य किया, उसके बाद नदी/ पानी के किनारे वहां की स्थानीय वानिकी प्रजातियों को लगाने का कार्य किया, जिसके

परिणाम बहुत ही उत्साहवर्धक थे I इसके बाद उन्होंने सेब तथा बादाम के पौधे भी उस क्षेत्र में लगाए जिससे अब इस इस क्षेत्र के लगभग 65 हेक्टेयर क्षेत्र में हरियाली हो गई है I उन्होंने वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा शोधार्थियों से कहा कि किसी भी कार्य को सफल बनाने लिए सिर्फ और सिर्फ प्रेरणा एवं प्रतिबद्धतता की आवश्यकता होती है I उन्होंने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि उन्हें हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के साथ शीत मरुस्थल में हरियाली बढ़ाने दिशा में कार्य करने के लिए उत्साहित है क्योंकि वह तो एक गैर-तकनीकी आदमी है, जिसे मुख्य विषय पर अधिक जानकारी नहीं है, इसलिए संस्थान के शिक्षित तथा प्रशिक्षित वैज्ञानिकों के साथ कार्य करने का सुअवसर प्राप्त होगा तथा शीत मरुस्थलीकरण को बढ़ने से रोकने में की दिशा में संगठित प्रयास करेंगे I

संस्थान के **निदेशक, डॉ. वी.पी. तिवारी** ने वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से जिला

किन्नौर, हिमाचल प्रदेश के थंगकर्मा क्षेत्र में शीत मरुस्थल को हरा-भरा करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए श्री नेगी के कार्यों की प्रशंसा की तथा कहा कि उनका यह सफल प्रयास अपने आप में एक उदाहरण है, जिसकी बहुत सी संस्थाओं ने सराहना भी की है। उन्होंने कहा कि अन्य बहुत सी

संस्थाओं द्वारा शीत मरुस्थल को किसी-न-किसी माध्यम से हरा-भरा करने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं तथा सरकारी क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं द्वारा भी प्रयास किए जा रहे हैं, परन्तु श्री नेगी द्वारा अपने व्यक्तिगत स्तर पर किए गए प्रयास तथा प्राप्त सफलता सराहनीय है। आप स्थानीय लोगों को भी इस कार्य में जोड़ते रहते हैं तथा उन्हें मरुस्थल को हरित करने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ शिक्षित भी कर रहें है, यह वानिकी के क्षेत्र में आपका एक बहुमूल्य योगदान है।

उन्होंने आगे कहा कि क्योकिं हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला भी शीत मरुस्थल के क्षेत्र में कार्य कर रहा है तथा अपने शोध कार्यों के माध्यम से इस क्षेत्र में वनावरण एवं उसकी गुणवत्ता में वृद्धि हेतु प्रयासरत है। आप स्थानीय लोगों से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं इसलिए इस कार्य में समय-समय पर आपके अनुभव का लाभ तथा आपकी सहायता भी संस्थान लेता रहेगा।

श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल तथा प्रभाग प्रमुख, कृषि-वानिकी एवं विस्तार प्रभाग, ने श्री आनंद ध्वज नेगी को संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा शोधार्थियों के साथ अपने अनुभवों को साँझा करने के अनुरोध को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद किया तथा कहा कि इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र में वह जो कार्य कर रहे हैं वह बहुत ही सराहनीय प्रयास है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्थान भविष्य में भी उनसे संपर्क में रहेगा तथा उनके शीत मरुस्थल में हरियाली लाने की दिशा में की दिशा में किए जा रहे कार्यों में सहयोग करता रहेगा।

WELCOME
TO
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE, SHIMLA
(Indian Council of Forestry Research & Education)
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
में
आपका हार्दिक स्वागत है।